

传  
世

语  
海

吉林人民出版社



# 传世语海

( 第三册 )

主编 张志军 卢学慧 吴利民 诸葛祥蜀



吉林人民出版社

## 目 录

## 成 语 部

本篇汇释了中国成语 3000 余条，编选了成语的全部精华，比《成语大辞典》精当而便查，容量超过《成语小辞典》。



## A

哀兵必胜.....  
 爱屋及乌.....  
 安分守己.....  
 安于现状.....  
 按图索骥.....  
 黯然失色.....

## B

八面玲珑.....  
 百折不挠.....  
 杯水车薪.....  
 表里如一.....  
 博学多才.....  
 不可思议.....  
 不屑一顾.....  
 步衣之交.....

## C

才疏学浅.....  
 承前启后.....  
 赤心报国.....  
 触景生情.....  
 唇亡齿寒.....  
 从心所欲.....  
 措手不及.....

D

|            |        |
|------------|--------|
| 打草惊蛇 ..... | (1874) |
| 大逆不道 ..... | (1878) |
| 胆大妄为 ..... | (1882) |
| 德高望重 ..... | (1887) |
| 顶天立地 ..... | (1891) |
| 栋梁之材 ..... | (1894) |
| 多才多艺 ..... | (1899) |
| 咄咄怪事 ..... | (1900) |

E

|            |        |
|------------|--------|
| 阿谀逢迎 ..... | (1902) |
| 尔虞我诈 ..... | (1903) |
| 耳濡目染 ..... | (1904) |
| 二豎为虐 ..... | (1905) |

F

|            |        |
|------------|--------|
| 发愤图强 ..... | (1906) |
| 放荡不羁 ..... | (1910) |
| 纷至沓来 ..... | (1914) |
| 风起云涌 ..... | (1918) |
| 奉若神明 ..... | (1922) |
| 赴汤蹈火 ..... | (1926) |

G

|            |        |
|------------|--------|
| 改过自新 ..... | (1928) |
| 高风亮节 ..... | (1932) |
| 各抒己见 ..... | (1936) |
| 沽名钓誉 ..... | (1941) |
| 官运亨通 ..... | (1947) |
| 国计民生 ..... | (1952) |





H

|            |        |
|------------|--------|
| 海市蜃楼 ..... | (1954) |
| 好高骛远 ..... | (1958) |
| 轰轰烈烈 ..... | (1962) |
| 囫圇吞枣 ..... | (1966) |
| 哗众取宠 ..... | (1969) |
| 黄粱一梦 ..... | (1974) |
| 诲人不倦 ..... | (1977) |
| 豁然开朗 ..... | (1982) |

J

|            |        |
|------------|--------|
| 饥不择食 ..... | (1983) |
| 吉星高照 ..... | (1987) |
| 坚持不懈 ..... | (1992) |
| 见异思迁 ..... | (1996) |
| 竭尽全力 ..... | (2001) |
| 近在咫尺 ..... | (2007) |
| 九死一生 ..... | (2012) |
| 绝处逢生 ..... | (2018) |

K

|            |        |
|------------|--------|
| 开门见山 ..... | (2020) |
| 可歌可泣 ..... | (2022) |
| 口不应心 ..... | (2024) |
| 夸夸其谈 ..... | (2027) |
| 溃不成军 ..... | (2029) |

L

|            |        |
|------------|--------|
| 来日方长 ..... | (2030) |
| 乐天知命 ..... | (2036) |
| 厉兵秣马 ..... | (2041) |

|            |        |
|------------|--------|
| 淋漓尽致 ..... | (2045) |
| 落井下石 ..... | (2054) |

## M

|            |        |
|------------|--------|
| 麻木不仁 ..... | (2056) |
| 漫不经心 ..... | (2059) |
| 梦笔生花 ..... | (2064) |
| 名存实亡 ..... | (2069) |
| 墨守成规 ..... | (2075) |
| 目瞪口呆 ..... | (2076) |

## N

|            |        |
|------------|--------|
| 耐人寻味 ..... | (2078) |
| 难言之隐 ..... | (2080) |
| 能屈能伸 ..... | (2081) |
| 逆来顺受 ..... | (2082) |
| 宁死不屈 ..... | (2083) |
| 弄巧成拙 ..... | (2084) |

## O

|            |        |
|------------|--------|
| 呕心沥血 ..... | (2086) |
| 藕断丝连 ..... | (2086) |

## P

|            |        |
|------------|--------|
| 排山倒海 ..... | (2087) |
| 旁若无人 ..... | (2089) |
| 披星戴月 ..... | (2090) |
| 否极泰来 ..... | (2092) |
| 平易近人 ..... | (2093) |
| 破绽百出 ..... | (2096) |

## Q

|            |        |
|------------|--------|
| 七窍生烟 ..... | (2098) |
| 气势汹汹 ..... | (2103) |
| 牵强附会 ..... | (2108) |
| 切肤之痛 ..... | (2112) |
| 情有可原 ..... | (2118) |
| 取长补短 ..... | (2123) |

## R

|            |        |
|------------|--------|
| 燃眉之急 ..... | (2127) |
| 人尽其才 ..... | (2129) |
| 任人唯贤 ..... | (2135) |
| 容光焕发 ..... | (2137) |

|            |        |
|------------|--------|
| 如释重负 ..... | (2141) |
| 入乡随俗 ..... | (2144) |

S

|            |        |
|------------|--------|
| 塞翁失马 ..... | (2146) |
| 扫地出门 ..... | (2150) |
| 上行下效 ..... | (2155) |
| 深思远虑 ..... | (2160) |
| 声名狼藉 ..... | (2164) |
| 时过境迁 ..... | (2169) |
| 首屈一指 ..... | (2179) |
| 似是而非 ..... | (2190) |

T

|            |        |
|------------|--------|
| 泰然处之 ..... | (2196) |
| 滔滔不绝 ..... | (2200) |
| 天经地义 ..... | (2204) |
| 天之骄子 ..... | (2208) |
| 同仇敌忾 ..... | (2212) |
| 投其所好 ..... | (2216) |
| 脱口而出 ..... | (2220) |

W

|            |        |
|------------|--------|
| 完璧归赵 ..... | (2221) |
| 妄自菲薄 ..... | (2226) |
| 委曲求全 ..... | (2231) |
| 无病呻吟 ..... | (2237) |
| 无事生非 ..... | (2242) |
| 五光十色 ..... | (2245) |
| 误入歧途 ..... | (2247) |

X

|            |        |
|------------|--------|
| 息事宁人 ..... | (2248) |
| 先发制人 ..... | (2253) |
| 相提并论 ..... | (2257) |
| 心烦意乱 ..... | (2262) |
| 欣欣向荣 ..... | (2267) |
| 汹涌澎湃 ..... | (2274) |
| 喧宾夺主 ..... | (2279) |
| 循序渐进 ..... | (2283) |

Y

|            |        |
|------------|--------|
| 睚眦必报 ..... | (2284) |
|------------|--------|





|           |        |
|-----------|--------|
| 阳春白雪····· | (2291) |
| 一尘不染····· | (2298) |
| 一诺千金····· | (2306) |
| 一叶知秋····· | (2313) |
| 以沫相濡····· | (2321) |
| 因循守旧····· | (2329) |
| 庸人自扰····· | (2336) |
| 有志竟成····· | (2344) |
| 远见卓识····· | (2353) |

Z

|           |        |
|-----------|--------|
| 再接再厉····· | (2356) |
| 张口结舌····· | (2361) |
| 真知灼见····· | (2366) |
| 知人善任····· | (2373) |
| 趾高气扬····· | (2378) |
| 众矢之的····· | (2384) |
| 装模作样····· | (2391) |
| 自给自足····· | (2394) |
| 醉生梦死····· | (2401) |
| 作茧自缚····· | (2405) |





## 俗 语 部

俗语亦可称为俗成语,这是一种与文化创作书面化成语相对应的约定俗成、浅显易懂、流传于口头的具有各个地方色彩的语言形式,本篇是流传最广的选精。



## A

阿姨怀袖阿娘香 .....  
 爱财如命 .....  
 爱戴高帽子 .....  
 安如泰山 .....  
 安营扎寨 .....

## B

八两半斤 .....  
 摆臭架子 .....  
 不打自招 .....  
 不上台盘 .....  
 不痛不痒 .....

## C

财可通神 .....  
 缠头裹脑 .....  
 趁水和泥 .....  
 吃回头草 .....  
 丑妇家中宝 .....  
 错上了坟 .....

## D

打得火热 .....  
 打窝里炮 .....  
 大眼看小眼 .....  
 得巧便回头 .....

|            |        |
|------------|--------|
| 顶屎盆儿·····  | (2485) |
| 对了槛儿·····  | (2489) |
| E          |        |
| 鹅行鸭步·····  | (2492) |
| 恩多成怨·····  | (2495) |
| 二不棱登·····  | (2497) |
| 二一添作五····· | (2497) |
| F          |        |
| 翻脸不认人····· | (2498) |
| 放马后炮·····  | (2499) |
| 粉面油头·····  | (2501) |
| 服软不服硬····· | (2506) |
| 付之东流·····  | (2507) |
| 覆水难收·····  | (2510) |
| G          |        |
| 改头换面·····  | (2511) |
| 隔年的皇历····· | (2515) |
| 狗仗人势·····  | (2520) |
| 棺材槌子·····  | (2525) |
| 鬼话连天·····  | (2527) |
| H          |        |
| 哈叭狗儿·····  | (2531) |
| 好好先生·····  | (2535) |
| 好戴高帽·····  | (2539) |
| 红口白舌·····  | (2543) |
| 话里有话·····  | (2550) |
| 祸不单行·····  | (2556) |
| J          |        |
| 机关算尽·····  | (2558) |
| 寄人篱下·····  | (2562) |
| 见钱眼开·····  | (2568) |
| 脚踩两家船····· | (2573) |
| 金字招牌·····  | (2578) |
| 军中无戏言····· | (2585) |
| K          |        |
| 看猫画虎·····  | (2589) |
| 看人下菜碟····· | (2590) |
| 口没遮拦·····  | (2592) |



|            |        |
|------------|--------|
| 口是心非 ..... | (2593) |
| 宽心丸 .....  | (2594) |
| 阔论高谈 ..... | (2595) |

L

|             |        |
|-------------|--------|
| 拉不下脸 .....  | (2596) |
| 老奸巨猾 .....  | (2600) |
| 脸上挂不住 ..... | (2605) |
| 临阵磨枪 .....  | (2609) |
| 露出马脚 .....  | (2614) |
| 落花流水 .....  | (2618) |

M

|            |        |
|------------|--------|
| 蚂蝗见血 ..... | (2620) |
| 卖嘴料舌 ..... | (2622) |
| 猫哭老鼠 ..... | (2624) |
| 蒙在鼓里 ..... | (2629) |
| 没齿难忘 ..... | (2634) |
| 木已成舟 ..... | (2636) |

N

|            |        |
|------------|--------|
| 拿手好戏 ..... | (2638) |
| 囊中羞涩 ..... | (2641) |
| 念念有词 ..... | (2643) |
| 宁缺勿滥 ..... | (2646) |
| 女生外向 ..... | (2650) |

P

|            |        |
|------------|--------|
| 抛家失业 ..... | (2652) |
| 捧腹大笑 ..... | (2654) |
| 披麻救火 ..... | (2655) |
| 贫家富路 ..... | (2658) |
| 贫嘴贱舌 ..... | (2659) |
| 破财挡灾 ..... | (2661) |

Q

|            |        |
|------------|--------|
| 七搭八搭 ..... | (2663) |
| 旗鼓相当 ..... | (2666) |
| 千载一时 ..... | (2671) |
| 钱可通神 ..... | (2675) |
| 青天白日 ..... | (2681) |
| 囚人梦赦 ..... | (2686) |







R

|             |        |
|-------------|--------|
| 燃眉之急 .....  | (2689) |
| 人大心大 .....  | (2692) |
| 人面兽心 .....  | (2696) |
| 人死如灯灭 ..... | (2701) |
| 人心隔肚皮 ..... | (2703) |
| 肉眼凡夫 .....  | (2708) |
| 软壳鸡蛋 .....  | (2711) |

S

|            |        |
|------------|--------|
| 三长两短 ..... | (2715) |
| 扫地出门 ..... | (2720) |
| 伤天害理 ..... | (2725) |
| 蛇蝎心肠 ..... | (2731) |
| 十亲九敌 ..... | (2739) |
| 事不过三 ..... | (2741) |
| 鼠肚鸡肠 ..... | (2749) |
| 死无对证 ..... | (2758) |

T

|            |        |
|------------|--------|
| 他乡之鬼 ..... | (2761) |
| 提心在口 ..... | (2766) |
| 天荒地老 ..... | (2768) |
| 天涯咫尺 ..... | (2772) |
| 听人穿鼻 ..... | (2777) |
| 推三阻四 ..... | (2782) |

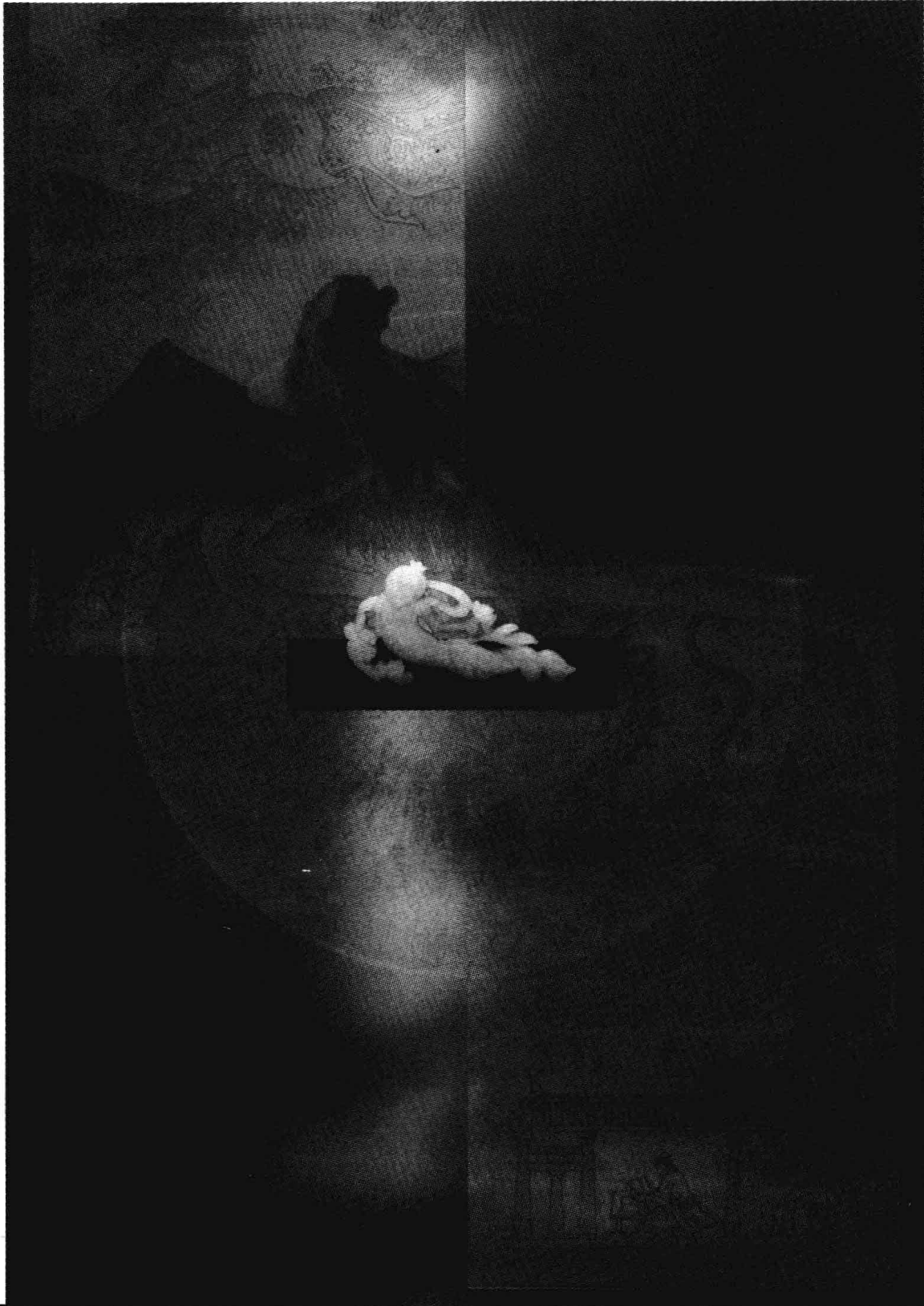
W

|            |        |
|------------|--------|
| 挖肉补疮 ..... | (2784) |
| 万无一失 ..... | (2788) |
| 味同嚼蜡 ..... | (2789) |
| 闻风而逃 ..... | (2791) |
| 无病呻吟 ..... | (2793) |

|            |        |
|------------|--------|
| 雾里看花 ..... | (2797) |
| X          |        |
| 先礼后兵 ..... | (2801) |
| 小丑跳梁 ..... | (2805) |
| 小题大作 ..... | (2807) |
| 心猿意马 ..... | (2812) |
| 朽木死灰 ..... | (2818) |
| Y          |        |
| 哑子说谜 ..... | (2822) |
| 偃旗息鼓 ..... | (2826) |
| 咬文嚼字 ..... | (2831) |
| 一吹一唱 ..... | (2836) |
| 一了百了 ..... | (2842) |
| 一时半刻 ..... | (2848) |
| 衣食父母 ..... | (2855) |
| 寅吃卯粮 ..... | (2860) |
| 有口无心 ..... | (2865) |
| 冤冤相报 ..... | (2874) |
| Z          |        |
| 在劫难逃 ..... | (2880) |
| 睁眼瞎子 ..... | (2887) |
| 纸糊老虎 ..... | (2894) |
| 抓尖要强 ..... | (2896) |
| 走马看花 ..... | (2901) |
| 醉生梦死 ..... | (2903) |
| 做贼心虚 ..... | (2907) |



# 成语部







A

【哀兵必胜】 āi bīng bì shèng 原指兵力相当的两军对垒,心情悲愤的一方必胜。后多指受压迫、受欺凌而奋起反抗者必定会取得胜利。语本《老子》六十九章:“故抗兵相加,哀者胜矣。”

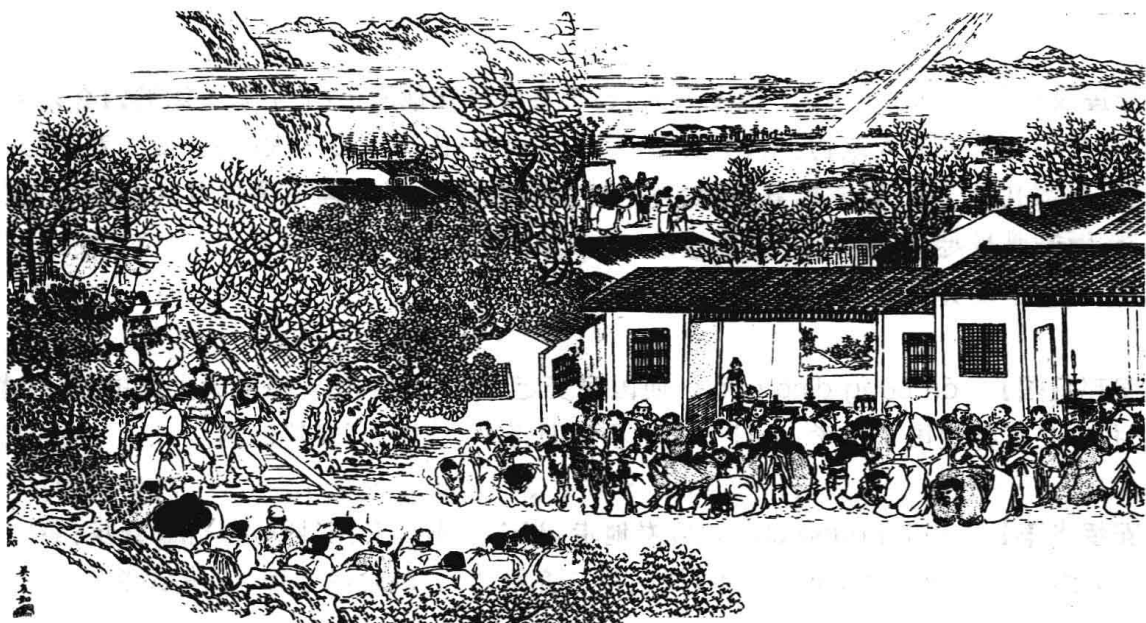
〔反义词〕骄兵必败

【哀鸿遍野】 āi hóng biàn yě 到处都是流离失所的灾民。哀鸿:哀鸣的大雁,比喻流离失所的灾民。语本《诗经·小雅·鸿雁》:“鸿雁于飞,哀鸣嗷嗷。”

〔同义词〕①饿殍遍地 ②民不聊生 ③流离失所

〔反义词〕①物阜民康 ②国泰民安 ③安居乐业

【哀莫大于心死】 āi mò dà yú xīn sǐ 悲哀没有比心死更大的。指最可悲哀的事,莫过于麻木不仁。心死:心像熄灭了的灰烬一样。语出《庄子·田子方》:“夫哀莫大于心死,而人死亦次之。”



【唉声叹气】 āi shēng tàn qì 因苦闷悲伤而发出叹息的声音。

〔同义词〕长吁短叹

【爱不释手】 ài bù shì shǒu 喜爱到舍不得放手。释：放下。语本南朝梁萧统《陶渊明集序》：“余爱嗜其文，不能释手。”亦作“爱不忍释”。

〔同义词〕①百读不厌 ②百看不厌

〔反义词〕不屑一顾

【爱财如命】 ài cái rú mìng 吝惜钱财就像吝惜自己的生命一样。形容十分贪婪、刻薄。爱：贪爱相，吝啬。语见赵孟頫《诸贤天冠山题咏·金沙岭》诗：“笑杀尘世人，爱金如爱命。”

〔同义词〕一毛不拔

〔反义词〕①一掷千金 ②挥金如土

【爱富嫌贫】 ài fù xián pín 见“嫌贫爱富”。

【爱民如子】 ài mín rú zǐ 爱护百姓就像爱护自己的子女一样。旧时对帝王、官吏的赞辞。语本《礼记·中庸》：“子庶民也。”

〔反义词〕视民草芥

【爱莫能助】 ài mò néng zhù 内心爱惜、同情而无力帮助。爱：爱惜；莫：不。语本《诗经·大雅·烝民》：“爱莫助之。”

〔同义词〕无能为力

〔反义词〕①爱屋及乌 ②鼎力相助

【爱屋及乌】 ài wū jí wū 因爱其人，连带喜爱停在他屋上的乌鸦。比喻因喜爱某人而连带喜爱与他有关的人或物。乌，不要写成“鸟”。语本《尚书大传·大战》：“爱人者，兼其屋上之乌。”又，《孔丛子》：“若夫顾其遗嗣，得与群臣同受螯福，此乃陛下爱屋及乌，惠下之道。”

〔同义词〕见鞍思马

〔反义词〕①爱莫能助 ②殃及池鱼

【安邦定国】 ān bāng dìng guó 使国家安定、巩固。邦：国。语见元关汉卿《哭存孝》一折：“我本是安邦定国李存孝，今日个太平不用旧将军。”亦作“安邦治国”。

【安步当车】 ān bù dàng chē 慢慢地走，当作坐车。安：安详，不慌忙；安步：缓缓步行。当，不读 dāng。车，旧读 jū。语本《战国策·齐策四》：“晚食以当肉，安步以当车。”亦作“缓步当车”。